SO & PS-Paper-I

वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्
COUNCIL OF SCIENTIFIC & INDUSTRIAL RESEARCH
एल.डी.सी.ई.-2025 / LDCE-2025

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका क्रमांक :
Question cum Answer Booklet No. : 500126

पद कोड/Post Code: 7

पेपर-I/Paper-I : टिप्पण, मसौदा और संक्षेपण लेखन/Noting, Drafting & Précis Writing

समय/Time: 2:00 Hours | अधिकतम अंक/Maximum Marks : 100

अभ्यर्थी द्वारा नीली/काली स्याही के बॉल प्वाइंट पेन से भरा जाना है / To be filled in by the candidate with blue/ black ink ball point pen

अभ्यर्थी का विवरण / PARTICULARS OF THE CANDIDATE
(बड़े अक्षरो में लिखें / Write in Block Letters)

अनुक्रमांक (अंको में) / Roll Number (in figures) _____

अनुक्रमांक (शब्दों में) / Roll Number (in words) _____

अभ्यर्थी का नाम/ Name of the candidate _____

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर/ Signature of the Candidate _____

SEAL

अनुदेश / INSTRUCTIONS

1. इस प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में सार लेखन पृष्ठ एवं रफ़ कार्य हेतु पृष्ठ सहित कुल 24 पृष्ठ हैं। प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए है। प्रश्नों के उत्तर देने के लिए, प्रत्येक प्रश्न के साथ ही रिक्त स्थान दिया गया है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर उसमें प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में दिये गए स्थान पर देना होगा। कोई अतिरिक्त पृष्ठ उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। आपको प्रत्येक प्रश्न के सामने दिए गए स्थान को छोड़कर किसी भी स्थान पर नहीं लिखना चाहिए।
   This Question cum Answer Booklet contains 24 pages including précis writing sheet and pages for rough work. Marks are indicated against each question. To answer the questions, blank space has been provided against each question. Each question must be answered in the space provided in Question cum Answer Sheet. No additional sheet will be provided. You should not write anything except on space provided against each question.
2. **उत्तर लिखने के लिए नीली या काली/स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन का ही उपयोग किया जाए।**
   For Writing Answers, use Blue/Black ink Ball Point Pen.
3. इससे पहले कि आप अपना विवरण भरना शुरू करें, कृपया सुनिश्चित कर लें कि प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में अपेक्षित संख्या में प्रश्न और पृष्ठ हैं और ये कटे-फटे नहीं हैं। यदि आवश्यक हो तो, किसी भी उत्तर को लिखने से पहले,आप पुस्तिका को बदलने के लिए अन्वीक्षक से अनुरोध कर सकते हैं ।
   Before you start filling up your Roll Number and other details, etc. on the cover page, please ensure that the Booklet contains requisite number of questions and pages, and these are not torn or mutilated. You may request invigilator to change the Booklet, if required, before attempting any answers.
4. अपना रोल नंबर अंकों और शब्दों दोनों में एवं अन्य आवश्यक विवरणों को दिए गए उपयुक्त स्थान पर सही और स्पष्ट रूप से लिखें ।
   Write your Roll Number in figures and words and other requisite particulars correctly and clearly in the appropriate space provided.
5. रफ़ कार्य के लिए पृष्ठ प्रश्न सह-उत्तर पुस्तिका में ही दिए गए हैं । रफ़ कार्य केवल इसके लिए दिए गए पृष्ठों पर ही करें|
   Pages for rough work have been provided in Question cum Answer Booklet. Rough work may be done only on the pages provided for the purpose.
6. परीक्षा पूर्ण होने पर परीक्षा हॉल छोड़ने से पहले, इस प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका को अन्वीक्षक को सौंप दें।
   After the Test is over, you must hand over this Question cum Answer Booklet to the Invigilator before leaving the examination Hall.
7. यदि आप नकल या अनुचित साधनों का उपयोग करते हुए पाए जाते हैं तो इसे कदाचार माना जाएगा तथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।
   If you are found copying or resorting to any unfair means, it shall be treated as misconduct and liable to action as per rules.

अन्वीक्षक के हस्ताक्षर / Signature of the Invigilator _____

1. संसदीय समिति ने वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) से भारतीय दवा उद्योग की आयातित क्रच्चे माल पर निर्भरता कम करने के लिए स्पष्ट अल्पकालिक और दीर्घकालिक उद्देश्य स्थापित करने का आग्रह किया है। समिति ने विशेष रूप से अगले पांच वर्षों के भीतर मौजूदा 80% आयात निर्भरता को घटाकर 30-40% करने की सिफारिश की है।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, समिति ने प्रस्तावित मिशन परियोजना को अन्य मंत्रालयों और निजी क्षेत्र की पहलों के साथ जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अनुसंधान प्रयासों का समर्थन करने और प्रगति में बाधा डालने वाली वित्तीय बाधाओं को रोकने के लिए पर्याप्त धन आवंटित करने के महत्व पर भी बल दिया।

इस संबंध में आगे बढ़ने के लिए, सीएसआईआर को भारत सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग से कुछ प्रासंगिक जानकारी की आवश्यकता है।

सीएसआईआर के महानिदेशक की ओर से फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सचिव को एक डी.ओ. पत्र का मसौदा तैयार करें, जिसमें विभाग से प्रासंगिक जानकारी मांगे जाएं। (20 अंक)

The Parliamentary Committee has urged the Council of Scientific and Industrial Research (CSIR) to establish clear short-term and long-term objectives for reducing the Indian pharmaceutical industry's reliance on imported raw materials. The committee specifically recommended a reduction from the current 80% import dependence to a target of 30-40% within the next five years.

To achieve this, the committee emphasized the need for the proposed mission project to be aligned with initiatives from other ministries and the private sector. They also stressed the importance of allocating sufficient funds to support research efforts and prevent financial constraints from hindering progress.

In order to proceed in this regard, CSIR requires certain relevant information from the Department of Pharmaceuticals, Government of India.

Please draft a D.O letter from DG, CSIR to Secretary, Department of Pharmaceuticals seeking relevant information from the Department. (20 marks)

SEAL

SEAL

2. आप सीएसआईआर की एक प्रयोगशाला की प्रशासनिक शाखा में तैनात अनुभाग अधिकारी हैं। आपके मंत्रालय के स्तर 6 में कार्यरत एक अधिकारी को आधिकारिक मामलों/आधिकारिक सम्मेलन के सिलसिले में चेन्नई से कोलकाता की तत्काल यात्रा करनी है। संबंधित अधिकारी जो अन्यथा हवाई यात्रा के लिए पात्र नहीं है, की हवाई यात्रा के लिए सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी प्राप्त करने के लिए एक नोट का मसौदा तैयार करें। (15 अंक)

You are a Section Officer posted in Administrative Branch of a Lab of CSIR. An officer working in the Level 6 of your Ministry is required to travel from Chennai to Kolkata urgently in connection with the official affairs/ official conference. Draft a note for obtaining approval of the Competent Authority for air travel of the officer concerned who is otherwise not entitled for air travel. (15 marks)

SEAL

3. आप सीएसआईआर की सामान्य शाखा के अनुभाग अधिकारी हैं और आपको कार्यालय भवन के दरवाज़ों और खिड़कियों को ढकने के लिए पर्दे के लिए हथकरघा वस्त्र खरीदने का निर्देश दिया गया है। खरीद प्रक्रिया में निम्नलिखित तीन बोलियाँ प्राप्त हुईं:

- एक निजी कपड़ा कंपनी से बोली A, Rs. 95 प्रति इकाई
- NSIC के साथ पंजीकृत एक लघु उद्योग (SSI) इकाई से बोली B, Rs. 110 प्रति इकाई
- KVIC से बोली C, Rs. 115 प्रति इकाई

समिति ने सबसे कम कीमत का हवाला देते हुए निजी कंपनी को अनुबंध देने का फैसला किया।

सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए खरीद के सहायक नियमों की स्थिति और दिशा-निर्देशों के साथ समिति के निर्णय का विश्लेषण करते हुए एक नोट का मसौदा तैयार करें। (20 अंक)

You are a Section Officer of General Branch of CSIR and has been directed to procure handloom textiles for curtains to cover doors and windows of the office building. In the procurement processes following three bids were received :

- Bid A from a private textile company for Rs. 95 per unit
- Bid B from a Small Scale Industry (SSI) unit registered with NSIC for Rs. 110 per unit
- Bid C from KVIC for Rs. 115 per unit.

The committee decided to award the contract to the private company citing the lowest price.

Draft a note analyzing decision of the committee with supporting rules position and guidelines of procurement for approval of the competent authority. (20 marks)

अथवा Or

3. सीएसआईआर लैब में वैज्ञानिक श्री राहुल ने वर्ष 1990 में सुश्री सरला से विवाह किया। लेकिन य
विवाह लंबे समय तक नहीं चला और वर्ष 1995 में वे कानूनी रूप से अलग हो गए। इसके बाद व
2000 में उन्होंने सुश्री ज्योत्सना से विवाह किया और वर्ष 2002 (25.09.2000) में विवाह से उन
एक पुत्र रमेश हुआ। श्री राहुल की मृत्यु 15.01.2024 को हुई, जबकि उनकी पत्नी श्रीमती ज्योत्सन
की मृत्यु हाल ही में 07.06.2025 में हुई। प्रत्येक व्यक्ति की पारिवारिक पेंशन की पात्रता के बारे
एक व्यापक नोट का मसौदा तैयार करें। (20 अंक

Mr. Rahul, a Scientist in a CSIR lab got married to Ms. Sarala in the year 1990. Bu
the marriage did not survive a long and in the year 1995, they got legally separated
Subsequently in the year 2000 he married Ms. Jyotsana and had a male child Rames
from the wedlock in the year 2002 (25.09.2000). Mr. Rahul expired on 15.01.2024
whereas his wife Mrs. Jyotsana died recently in 07.06.2025. Draft a comprehensiv
note regarding eligibility of family pension of each of the person. (20 marks

SEAL

4. ए को सीएसआईआर में सहायक अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए चुना गया है। प्रयोगशाला की प्रशासनिक शाखा में परीक्षा डोजियर प्राप्त हो चुका है। प्रक्रिया के अनुसार, उनकी नियुक्ति को मंजूरी देने से पहले डोजियर प्राप्त होने पर, उनके चरित्र और पूर्ववृत्त का सत्यापन राज्य सरकार की स्थानीय पुलिस से किया जाना है। सत्यापन में पाया गया कि वे पहले भी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल रहे हैं और उन्हें अल्प अवधि के लिए सजा सुनाई गई थी। सीएसआईआर में अनुभाग अधिकारी (प्रशासन) के रूप में, उनके पिछले आचरण के बारे में स्पष्टीकरण मांगने के लिए एक मसौदा पत्र तैयार करें, जिसमें उल्लेख किया गया हो कि उनका जवाब पत्र प्राप्ति की तारीख से 15 दिनों के भीतर सीएसआईआर तक पहुंच जाना चाहिए और असंतोषजनक जानकारी या कोई जानकारी नहीं मिलने पर क्या संभावित परिणाम होंगे। (20 अंक)

Mr A has been selected for appointment as Assistant Section Officer in CSIR. The examination dossier has been received in the Administrative Branch of the Lab. As per procedure, on receipt of dossier before approving his appointment, his character and antecedents are to be verified from local police of the State Government. On verification, it was found that he was involved in anti-national activities before and was sentenced for a short term.

As Section Officer (Admn) in CSIR, prepare a draft letter for calling his explanation about his conduct in the past, mentioning that his reply should reach CSIR within 15 days from the date of receipt of letter and what will be possible consequences on receipt of non satisfactory information or no information. (20 marks)

SEAL

5. **(उन अभ्यर्थियों के लिए जिन्होंने परीक्षा के माध्यम के रूप में हिंदी का चयन किया है)**

निम्नलिखित अनुच्छेद का लगभग एक तिहाई शब्दों में सारांश बनाइए तथा उसे उपयुक्त शीर्षक दीजिए। (25 अंक)

युद्धों में कोई वास्तविक विजेता नहीं होता क्योंकि इसमें शामिल सभी पक्षों को इसके परिणाम भुगतने पड़ते हैं और अक्सर दोनों पक्षों में बड़ी संख्या में लोग हताहत होते हैं। युद्ध और उसके अंत से उत्पन्न होने वाले परिणामों से निपटने के बजाय, हमें लोगों, राजनीति, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर इसके प्रत्यक्ष प्रभावों पर गौर करना होगा।

प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) में 17 से 20 मिलियन लोगों की मृत्यु हुई। द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) के पीड़ितों की संख्या 50 से 56 मिलियन के बीच होने का अनुमान है (कुछ स्रोत 80 मिलियन का भी उल्लेख करते हैं)। भले ही द्वितीय विश्व युद्ध का अंत इस पैमाने पर हत्या का अंत हो, और उसके बाद से किसी अन्य युद्ध ने इतना विनाश नहीं किया हो, फिर भी शीत युद्ध की समाप्ति के बाद से 1989 और 2010 के बीच हिंसक संघर्षों में लगभग 800,000 लोग मारे गए हैं।

युद्ध के पीड़ितों की वास्तविक संख्या का केवल अनुमान लगाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, यह इस बात पर निर्भर करता है कि क्या 'पीड़ितों' को केवल उन लोगों के रूप में परिभाषित किया जाता है जो सशस्त्र हिंसा के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में मारे गए। इसका मतलब उन लोगों की उपेक्षा करना होगा जो युद्ध के दौरान, जोखिम, महामारी या (यौन) हिंसा और भूख के परिणामस्वरूप मर गए। यह उन लोगों की भी उपेक्षा करता है जो युद्ध में लगे घावों या बीमारियों से वर्षों बाद मर गए हैं - जैसे हिरोशिमा और नागासाकी के विकिरण पीड़ित। साहित्य के लिए जर्मन नोबेल पुरस्कार विजेता हेनरिक बोएल ने युद्धों के दीर्घकालिक प्रभावों की विशेषता बताते हुए कहा, "युद्ध कभी खत्म नहीं होगा, कभी नहीं, जब तक कि कहीं न कहीं घाव से खून बह रहा है।" युद्ध में घायल हुए - चाहे वे सैनिक हों या नागरिक - अक्सर दशकों तक शारीरिक चोटों से पीड़ित रहते हैं। अक्सर, उन्हें अंधे या बहरे होने के कारण विकलांगता के साथ जीना सीखना पड़ता है।

मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी जीवित बचे लोगों के रोज़मर्रा के जीवन को प्रभावित करते हैं। युद्ध के दैनिक अनुभवों से उत्पन्न भय और असुरक्षा - चाहे अपराधी के रूप में या पीड़ित के रूप में - निशान छोड़

जाते हैं। बाद के लक्षण पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर, अवसाद और चिंता हो सकते हैं। ये परिणाम नागरिकों और सैनिकों को समान रूप से प्रभावित करते हैं। युद्ध का एक और परिणाम राष्ट्रीय नागरिकों का शरणार्थियों में बदलना है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, दुनिया भर में 1.5 करोड़ से ज़्यादा शरणार्थी हैं जिन्हें संघर्ष या उत्पीड़न के कारण अपना घर छोड़ना पड़ा है। तीन-चौथाई विकासशील देशों में रहते हैं। युद्ध ने उनके घर और उनकी आजीविका को अक्सर दीर्घकालिक रूप से छीन लिया है। भूख, कुपोषण, बीमारियाँ और रोग सीधे शरणार्थियों और उनके बच्चों को खतरे में डालते हैं। शरणार्थियों की स्थिति तब और भी कठिन हो जाती है जब अंतर्राष्ट्रीय ध्यान और समर्थन कम हो जाता है जबकि अभी भी उनकी कानूनी, आर्थिक और सामाजिक स्थिति का कोई अंत नहीं है और कोई स्थायी समाधान नज़र नहीं आता है। विशेष रूप से, जब शरणार्थियों को बड़े "शिविरों" में रहना पड़ता है, तो शरणार्थियों और उनके पर्यावरण दोनों के लिए विभिन्न सुरक्षा जोखिम उत्पन्न होते हैं जो नए हिंसक संघर्षों को जन्म दे सकते हैं। युद्ध का सबसे दूरगामी राजनीतिक प्रभाव यह है कि यह राज्य और समुदाय को नष्ट कर सकता है। युद्ध के दौरान, नागरिकों की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया जाता है। आपातकाल या मार्शल लॉ की स्थिति में, बोलने की स्वतंत्रता और पसंद की स्वतंत्रता के साथ-साथ राजनीतिक और अन्य सामाजिक समूहों की गतिविधियों पर अक्सर काफी प्रतिबंध लगा दिया जाता है। आंतरिक और बाहरी दोनों तरह से, दुश्मन की छवि बनाई जाती है। अलग-अलग राय रखने वाले नागरिकों के बीच अविश्वास बढ़ता है, जबकि विरोधी या 'दुश्मन' राज्यों के साथ संबंध नष्ट हो जाते हैं और सालों तक विषाक्त हो जाते हैं। 2001 में संयुक्त राष्ट्र ने प्रत्येक वर्ष 6 नवंबर को "युद्ध और सशस्त्र संघर्षों में पर्यावरण के शोषण को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस" के रूप में घोषित किया। तत्कालीन संयुक्त राष्ट्र महासचिव कोफी अन्नान युद्धों के विनाशकारी पारिस्थितिक और दीर्घकालिक पर्यावरणीय दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना चाहते थे जो मानव जाति के लिए प्रत्यक्ष हिंसा जितना ही हानिकारक है। तेल, रसायन, बारूदी सुरंगों या बिना विस्फोट वाले हथियारों से होने वाले नुकसान की मरम्मत में अक्सर लंबा समय लगता है; पानी, हवा और मिट्टी का प्रदूषण कई लोगों की आजीविका को खतरे में डालता है और पूरी आबादी को पलायन करने पर मजबूर करता है। लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि पर्यावरण गोलीबारी में फंसने वाला एक और निर्दोष शिकार बन जाता है। गरीब, हमेशा की तरह, असमान रूप से पीड़ित होते हैं, क्योंकि वे न केवल भोजन के लिए बल्कि दवा, आजीविका और आश्रयों और घरों के लिए सामग्री के लिए भी पर्यावरण पर सबसे अधिक निर्भर होते हैं", कोफी अन्नान ने युद्ध के पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में चेतावनी दी।

(For those candidates who have opted English as medium of examination)

Make précis of the following paragraph in an approximately one third of total words and give a suitable title to it. (25 marks)

There are no real victors in wars as all parties involved have to suffer the consequences with often high numbers of casualties on both sides. Rather than dealing with the consequences resulting from a war and its end, we have to look into its direct effects on people, politics, the economy and the environment.

World War I (1914–1918) resulted in 17 to 20 million deaths. The number of victims of World War II (1939–1945) is estimated at between 50 and 56 million (some sources even mention 80 million). Even if the end of World War II marks an end to the killing of such a scale, and no other war since then has led to so much destruction, around 800,000 people have still died in violent conflicts between 1989 and 2010 since the end of the Cold War.

The real number of victims of a war can only be estimated. It depends, for instance, on whether 'victims' are only defined as those who died as a direct result of armed violence. This would mean disregarding those who, during a war, died from exposure, epidemics or as a result of (sexual) violence and hunger. It also disregards those who have died years later from wounds or illnesses sustained in the war—such as the radiation victims of Hiroshima and Nagasaki.

"The war will never be over, never, as long as somewhere a wound it had inflicted is still bleeding," Heinrich Böll, German Nobel Prize winner for literature, characterised the long-term effects of wars. War-wounded—be they soldiers or civilians—often suffer from the physical injuries for decades. Often, they have to learn to live with mutilations, having been blinded or deafened.

The psychological effects, too, have an impact on the everyday lives of the survivors. Fear and insecurity resulting from daily experiences of war—whether as perpetrators or victims—leave traces. Late symptoms can be post-traumatic stress disorder, depression and anxiety. These consequences affect civilians and soldiers alike.

Another consequence of war is the transformation of national citizens into refugees. According to the United Nations, there are more than 1.5 crore refugees worldwide who have had to leave their home due to conflicts or persecution. Three-quarters live in developing countries. The war has taken away their home and their livelihoods, often long-term. Hunger, malnutrition, illnesses and diseases directly threaten the refugees and their children. The situation of refugees becomes all the more difficult when international attention and support dwindles while there is still no end to their legal, economic and social state of limbo and no durable solution in sight. Notably, when refugees have to live in larger "camps", various different security risks arise both for the refugees and their environment that can lead to new violent conflicts.

The most far-reaching political effect of a war is the fact that it can annihilate state and community. During a war, citizens' freedoms are curtailed. Under a state of emergency or martial law, freedom of speech and freedom of choice as well as activities by political and other societal groups are often considerably restricted. Both internally and externally, images of the enemy are created. Distrust grows between citizens with different opinions, while relations with opposing or 'enemy' states are destroyed and poisoned for years.

In 2001 the United Nations declared 6 November of each year as the "International Day for Preventing the Exploitation of the Environment in War and Armed Conflicts." Then-UN Secretary General Kofi Annan wanted to raise awareness of the devastating ecological and long-term environmental side effects of wars that is just as damaging to humankind as direct violence. Damage caused by oil, chemicals, landmines or unexploded ordnance often takes a long time before it is repaired; the pollution of water, air and soil threatens the livelihoods of many people and causes entire populations to flee. But more often than not, the environment is simply another innocent victim caught in the crossfire. The poor, as usual, suffer disproportionately, as they rely most heavily on the environment not only for food but also for medicine, livelihoods, and materials for shelters and homes", warned Kofi Annan of the environmental effects of war.

शीर्षक/Title: _____

प्रत्येक खाने में एक शब्द लिखें/Write only one word in each box.

					5
					10
					15
					20
					25
					30
					35
					40
					45
					50
					55
					60
					65
					70
					75
					80
					85
					90
					95
					100

					105
					110
					115
					120
					125
					130
					135
					140
					145
					150
					155
					160
					165
					170
					175
					180
					185
					190
					195
					200

					205
					210
					215
					220
					225
					230
					235
					240
					245
					250
					255
					260
					265
					270
					275
					280
					285
					290
					295
					300

रफ कार्य के लिये जगह / SPACE FOR ROUGH WORK

रफ कार्य के लिये जगह / SPACE FOR ROUGH WORK

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका क्रमांक / Question cum Answer Booklet No. :

मूल्यांकन तालिका (केवल कार्यालय उपयोग के लिए) / EVALUATION TABLE (ONLY FOR OFFICE USE)

प्र.स. / Q.No.	अधिकतम अंक / Maximum Marks	प्राप्तांक / Marks Obtained	मूल्यांकनकर्ता के हस्ताक्षर / Signature of Evaluator
1			
2			
3			
4			
5			
कुल / Total			

SEAL